Ganesh Aarti

श्रीगणेशजीकी आरती (जय गणेश जय गणेश देवा)

NityaPaath
nityapaath.com/ganesh-aarti/

REFRAIN · टेक

टे॰a जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती पिता महादेवा॥ जय गणेश०॥

VERSES · आरती

1 एकदन्त दयावन्त चार भुजा धारी।
मस्तक सिन्दूर सोहे मूसे की सवारी॥ जय गणेश०॥

2 अन्धन को आँख देत कोढ़िन को काया।
बाँझन को पुत्र देत निर्धन को माया॥ जय गणेश०॥

3 लड्डुअन कौ भोग लगे सन्त करें सेवा।
पान चढ़ें फूल चढ़ें और चढ़ें मेवा॥ जय गणेश०॥

4 दीनन की लाज राखो शम्भु-सुतवारी।
कामना को पूरा करो जग बलिहारी॥ जय गणेश०॥

Text checked against: Gita Press, Gorakhpur: Aarti Sangrah (code 153), 'भगवान् श्रीगणेशजी'. Meanings, audio and all scripts at nityapaath.com/ganesh-aarti/